

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर-2009

## प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान हैं।

### भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. निम्न कुण्डली के लिए बृहस्पति एवं शनि का भिन्नाष्टक वर्ग की गणना करें व उनके आधार इन ग्रहों के फलों पर प्रकाश डालें।

लग्न - कुम्भ 10:53, सूर्य - तुला 07:33 चन्द्र - धनु 16:58 मंगल - वृश्चिक 17:46, बुध - वृश्चिक 00:44, गुरु - कन्या 16:32, शुक्र - वृश्चिक 22:10, शनि - मकर 16:51, राहु - कुम्भ 03:21 (जन्म 24.10.1933, 14:15 बजे, पुरी)

2. निम्न कुण्डली के सर्वाष्टक वर्ग का अध्ययन कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें।  
पुरुष 18.06.1976, 03:00 मसूरी

भाव	ग्रह	राशि	बिन्दु
1	लग्न, गुरु, केतु	मेष	38
2	बुध	वृषभ	27
3	सूर्य, शुक्र	मिथुन	17
4	मंगल, शनि	कर्क	30
5	-	सिंह	22
6	-	कन्या	31
7	राहु	तुला	26
8	-	वृश्चिक	24
9	-	धनु	25
10	-	मकर	30
11	चन्द्रमा	कुंभ	36
12	-	मीन	31

क) इस कुण्डली में शुभ भाव कौन से है?

ख) इस कुण्डली का सबसे बलहीन भाव कौन सा है? कारण सहित उत्तर दें।

ग) आय भाव में 36 व कर्मभाव में 30 बिन्दुओं का क्या अभिप्राय है?

घ) तृतीय भाव में 30 बिन्दुओं से आप क्या समझते हैं?

ङ) जातक के जीवन में कौन सा भाग समृद्धिशाली होगा? तर्क सहित उत्तर दें।

3. प्रश्न 2 में दी गई कुण्डली के समुदायाष्टक के आधार पर 1,3,4,6,7 व 10 वें भाव पर प्रकाश डालें?

4. निम्न का उत्तर दें :-

क. शोध्य पिण्ड

- ख. एकाधिपत्य शोधन  
 ग. त्रिकोण शोधन  
 घ. कक्षा तथा गोचर फल कथन में इसका उपयोग
5. अष्टकवर्ग पद्धति से आयुर्दाय गणना किस प्रकार करते हैं? उदाहरण सहित समझाएं।

### भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. एक जातक, जो किसी यात्रा पर निकला था, की सकुशलता के संबंध में 8:45 प्रातः 2 सितम्बर 2009 को प्रश्न किया गया। इस प्रश्न के लिए कुण्डली इस प्रकार है।

लग्न 23क.47	सूर्य 15 सिंह 48	चन्द्रमा 17मकर37
मंगल 10मि.40	बुध 11 कन्या 02	गुरु(व) 25मकर45
शुक्र 13कर्क43	शनि 29सि.03	राहु 5 मकर 46
केतु 5कर्क46		

- उपरोक्त के आधार पर कारण सहित उत्तर दें कि जातक किस स्थिति में है व सकुशल है अथवा नहीं? क्या जातक वापस लौटेगा?
7. किसी प्रश्न की सत्यता का आप किस प्रकार पता लगाएंगे? प्रश्न कुण्डली में सभी भावों का महत्व बताएं।
8. एक जातक आपके पास एक अन्य अस्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी के लिए प्रश्न करता है। इस स्थिति में आप किस प्रकार से प्रश्न कुण्डली का अवलोकन करेंगे? उदाहरण सहित समझाएं।
9. उपयुक्त उदाहरण सहित निम्न योगों पर प्रकाश डालें :-  
 क. इत्थसाल योग  
 ख. इशाराफ योग  
 ग. काम्बूल योग  
 घ. मणरु योग
10. क. एक से अधिक प्रश्न का उत्तर ज्योतिषी किस प्रकार देता है?  
 ख. ज्योतिषी यह कैसे जानेगा कि कोई वस्तु गुम हुई है या चोरी हुई है? कम से कम दो योग बताएं।  
 ग. ज्योतिषी यह कैसे जानेगा कि रोग निदान त्रुटि पूर्ण है?